**रविवार 1 फ़रवरी, 2026**

## विषय — प्रेम

**स्वर्ण पाठ: 1 यूहन्ना 4: 21**

---

" उस से हमें यह आज्ञा मिली है, कि जो कोई अपने परमेश्वर से प्रेम रखता है, वह अपने भाई से भी प्रेम रखे॥"

---

**उत्तरदायी अध्ययन: 1 यूहन्ना 4: 7-12, 18**

7 हे प्रियों, हम तुम में प्रेम रखो; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है: और जो कोई प्रेम नहीं करता, वह भगवान से जन्मा है; और भगवान को पता है।
8 जो प्रेम नहीं रखता, वह भगवान को नहीं जानता, क्योंकि भगवान प्रेम है।
9 जो प्रेम भगवान हम से रखता है, वह इस से प्रकट हुआ, कि भगवान ने अपने एकलौते पुत्र को अवतार में भेजा है, कि हम उसके द्वारा जीवन पाएं।
10 प्रेम इस में नहीं कि हमने भगवान को प्रेम किया है; पर इस में है, कि उसने हम से प्रेम किया; और हमारे पापों के प्रायश्चित्त के लिए अपने पुत्र को भेजा।
11 हे प्रियो, जब भगवान ने हम से ऐसा प्रेम किया, तो हम को भी आपस में प्रेम रखना चाहिए।
12 परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा; यदि हम आपस में प्रेम रखें, तो परमेश्वर हम में बना रहता है; और उसका प्रेम हम में सिद्ध हो गया है।
18 प्रेम में भय नहीं होता, वरन सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है,

**पाठ उपदेश**

**बाइबल**

**1. भजन संहिता 27: 1, 5, 6, 11, 14**

1 यहोवा परमेश्वर मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है; मैं किस से डरूं? यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है, मैं किस का भय खाऊं?
5 क्योंकि वह तो मुझे विपत्ति के दिन में अपने मण्डप में छिपा रखेगा; अपने तम्बू के गुप्त स्थान में वह मुझे छिपा लेगा, और चट्टान पर चढ़ाएगा।
6 अब मेरा सिर मेरे चारों ओर के शत्रुओं से ऊंचा होगा; और मैं यहोवा के तम्बू में जयजयकार के साथ बलिदान चढ़ाऊंगा; और उसका भजन गाऊंगा॥

---

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

11 हे यहोवा, अपने मार्ग में मेरी अगुवाई कर, और मेरे द्रोहियों के कारण मुझ को चौरस रास्ते पर ले चल।
14 यहोवा की बाट जोहता रह; हियाव बान्ध और तेरा हृदय दृढ़ रहे; हां, यहोवा ही की बाट जोहता रह!

## 2. उत्पत्ति 27: 41, 42 (से *2nd*,), 43 (मेरा बेटा)

41 ऐसाव ने तो याकूब से अपने पिता के दिए हुए आशीर्वाद के कारण बैर रखा; सो उसने सोचा, कि मेरे पिता के अन्तकाल का दिन निकट है, फिर मैं अपने भाई याकूब को घात करूंगा।
42 जब रिबका को अपने पहिलौठे पुत्र ऐसाव की ये बातें बताई गईं, तब उसने अपने लहुरे पुत्र याकूब को बुला कर कहा, सुन,
43 ... सो अब, हे मेरे पुत्र, मेरी सुन, और हारान को मेरे भाई लाबान के पास भाग जा;

## 3. उत्पत्ति 31: 3

3 तब यहोवा ने याकूब से कहा, अपने पितरों के देश और अपनी जन्मभूमि को लौट जा, और मैं तेरे संग रहूंगा।

## 4. उत्पत्ति 32: 1 (से ,), 3 (से भाई), 6, 7 (से :), 24-29

1 याकूब ने भी अपना मार्ग लिया और परमेश्वर के दूत उसे आ मिले।
3 तब याकूब ने सेईर देश में, अर्थात एदोम देश में, अपने भाई ऐसाव के पास अपने आगे दूत भेज दिए।
6 वे दूत याकूब के पास लौट के कहने लगे, हम तेरे भाई ऐसाव के पास गए थे, और वह भी तुझ से भेंट करने को चार सौ पुरूष संग लिये हुए चला आता है।
7 तब याकूब निपट डर गया, और संकट में पड़ा:
24 और याकूब आप अकेला रह गया; तब कोई पुरूष आकर पह फटने तक उससे मल्लयुद्ध करता रहा।
25 जब उसने देखा, कि मैं याकूब पर प्रबल नहीं होता, तब उसकी जांघ की नस को छूआ; सो याकूब की जांघ की नस उससे मल्लयुद्ध करते ही करते चढ़ गई।
26 तब उसने कहा, मुझे जाने दे, क्योंकि भोर हुआ चाहता है; याकूब ने कहा जब तक तू मुझे आशीर्वाद न दे, तब तक मैं तुझे जाने न दूंगा।
27 और उसने याकूब से पूछा, तेरा नाम क्या है? उसने कहा याकूब।
28 उसने कहा तेरा नाम अब याकूब नहीं, परन्तु इस्राएल होगा, क्योंकि तू परमेश्वर से और मनुष्यों से भी युद्ध कर के प्रबल हुआ है।
29 याकूब ने कहा, मैं बिनती करता हूं, मुझे अपना नाम बता। उसने कहा, तू मेरा नाम क्यों पूछता है? तब उसने उसको वहीं आशीर्वाद दिया।

## 5. उत्पत्ति 33: 1 (से *1st*.), 3, 4

1 और याकूब ने आंखें उठा कर यह देखा, कि ऐसाव चार सौ पुरूष संग लिये हुए चला जाता है।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

3 और आप उन सब के आगे बढ़ा, और सात बार भूमि पर गिर के दण्डवत की, और अपने भाई के पास पहुंचा।
4 तब ऐसाव उससे भेंट करने को दौड़ा, और उसको हृदय से लगा कर, गले से लिपट कर चूमा: फिर वे दोनों रो पड़े।

## 6. मत्ती 4: 23

23 और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बल्ता को दूर करता रहा।

## 7. मत्ती 5: 1, 2, 21, 22 (से *1st* :), 23, 24, 43-45 (से :), 48

1 वह इस भीड़ को देखकर, पहाड़ पर चढ़ गया; और जब बैठ गया तो उसके चेले उसके पास आए।
2 और वह अपना मुंह खोलकर उन्हें यह उपदेश देने लगा,
21 तुम सुन चुके हो, कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था कि हत्या न करना, और जो कोई हत्या करेगा वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा।
22 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करेगा, वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा: और जो कोई अपने भाई को निकम्मा कहेगा वह महासभा में दण्ड के योग्य होगा; और जो कोई कहे अरे मूर्ख" वह नरक की आग के दण्ड के योग्य होगा।
23 इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे।
24 और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा।
43 तुम सुन चुके हो, कि कहा गया था; कि अपने पड़ोसी से प्रेम रखना, और अपने बैरी से बैर।
44 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि अपने बैरियों से प्रेम रखो और अपने सताने वालों के लिये प्रार्थना करो।
45 जिस से तुम अपने स्वर्गीय पिता की सन्तान ठहरोगे क्योंकि वह भलों और बुरों दोनो पर अपना सूर्य उदय करता है, और धमिर्यों और अधमिर्यों दोनों पर मेंह बरसाता है।
48 इसलिये चाहिये कि तुम सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है॥

## 8. लूका 6: 31, 36, 37

31 और जैसा तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे साथ करें, तुम भी उन के साथ वैसा ही करो।
36 जैसा तुम्हारा पिता दयावन्त है, वैसे ही तुम भी दयावन्त बनो।
37 दोष मत लगाओ; तो तुम पर भी दोष नहीं लगाया जाएगा: दोषी न ठहराओ, तो तुम भी दोषी नहीं ठहराए जाओगे: क्षमा करो, तो तुम्हारी भी क्षमा की जाएगी।

## 9. मत्ती 6: 14, 15

14 इसलिये यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा।
15 और यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा॥

### 10. मत्ती 18: 21, 22

21 तब पतरस ने पास आकर, उस से कहा, हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं कितनी बार उसे क्षमा करूं, क्या सात बार तक?
22 यीशु ने उस से कहा, मैं तुझ से यह नहीं कहता, कि सात बार, वरन सात बार के सत्तर गुने तक।

### 11. 1 यूहन्ना 5: 1 (से :), 2-4

1 जिसका यह विश्वास है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है
2 जब हम परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, और उस की आज्ञाओं को मानते हैं, तो इसी से हम जानते हैं, कि परमेश्वर की सन्तानों से प्रेम रखते हैं।
3 और परमेश्वर का प्रेम यह है, कि हम उस की आज्ञाओं को मानें; और उस की आज्ञाएं कठिन नहीं।
4 क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है।

## विज्ञान और स्वास्थ्य

### 1. 494: 10-11, 13 (से)-15

ईश्वरीय प्रेम ने हमेशा हर इंसान की ज़रूरत को पूरा किया है और हमेशा पूरा करेगा।

… सभी इंसानों के लिए और हर घंटे, ईश्वरीय प्रेम सभी अच्छाई देता है।

कृपा का चमत्कार प्रेम के लिए कोई चमत्कार नहीं है।

### 2. 322: 26-29, 32-3

चीज़ों की काल्पनिक ज़िंदगी में विश्वास के तीखे अनुभव, साथ ही हमारी निराशाएँ और लगातार दुख, हमें थके हुए बच्चों की तरह भगवान के प्यार की बाहों में ले जाते हैं।

इंसान क्रिश्चियन साइंस को समझने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे क्रिश्चियन साइंस से बिना कोशिश किए होने के सच नहीं जान पाएँगे।

### 3. 308: 16-12

याकूब अकेला था, गलतियों से जूझ रहा था, — ज़िंदगी, चीज़ और समझ की नश्वर समझ से जूझ रहा था, जो चीज़ों में मौजूद है, उसके झूठे सुख और दुख के साथ, — जब एक फ़रिश्ता, सच और प्यार का एक मैसेज, उसके सामने आया और उसकी गलतियों की ताकत पर तब तक चोट की, जब तक उसे उसकी असलियत नहीं दिखी; और सच, जिससे समझ में आया, उसे दिव्य विज्ञान के इस पेनियल में रूहानी ताकत दी। तब रूहानी फ़रिश्ते ने कहा: "मुझे जाने दो, क्योंकि दिन निकल रहा है;" यानी, सच और प्यार की रोशनी तुम पर चमक रही है। लेकिन कुलपिता ने, उसकी गलती और मदद की ज़रूरत को समझते हुए, इस शानदार रोशनी पर अपनी पकड़ तब तक ढीली नहीं की जब तक उसका स्वभाव बदल नहीं गया। जब याकूब से पूछा गया, "तुम्हारा नाम क्या है?" उसने तुरंत जवाब दिया; और फिर उसका नाम बदलकर इज़राइल कर दिया गया, क्योंकि "एक राजकुमार की तरह" वह जीत गया था और "भगवान और इंसानों के साथ ताकत" रखता था। तब याकूब ने अपने बचाने वाले से पूछा, "कृपया मुझे अपना नाम बताओ;" लेकिन यह नाम इसलिए नहीं दिया गया, क्योंकि मैसेंजर कोई असल इंसान नहीं था, बल्कि इंसान को भगवान का प्यार देने वाला एक नामहीन, असल इंसान था, जिसने, भजन लिखने वाले के शब्दों में कहें तो, उसकी आत्मा को वापस ला दिया, — उसे होने का आध्यात्मिक एहसास दिया और उसकी दुनियावी समझ को डांटा।

जैकब की लड़ाई का नतीजा इस तरह सामने आया। उसने आत्मा और आध्यात्मिक शक्ति की समझ से दुनियावी गलती पर जीत हासिल कर ली थी। इससे वह इंसान बदल गया। अब उसे जैकब नहीं, बल्कि इज़राइल कहा जाने लगा, — भगवान का एक राजकुमार, या भगवान का एक सैनिक, जिसने एक अच्छी लड़ाई लड़ी थी।

### 4. 410: 14-20

भगवान में हमारे विश्वास की हर परीक्षा हमें और मज़बूत बनाती है। दुनियावी हालात को आत्मा से पार करना जितना मुश्किल लगता है, हमारा विश्वास उतना ही मज़बूत होना चाहिए और हमारा प्यार उतना ही पवित्र होना चाहिए। प्रेरित जॉन कहते हैं: "प्यार में कोई डर नहीं होता, बल्कि पूरा प्यार डर को दूर कर देता है। ... जो डरता है, वह प्यार में पूरा नहीं होता।"

### 5. 571: 15-19

हर समय और हर हालात में, अच्छाई से बुराई को हराओ। खुद को जानो, और भगवान तुम्हें बुराई पर जीत के लिए समझ और मौका देंगे। प्यार के ताने-बाने में लिपटे होने पर, इंसानी नफ़रत तुम तक नहीं पहुँच सकती।

### 6. 4: 3-22

हमें सबसे ज़्यादा ज़रूरत कृपा में बढ़ने की गहरी इच्छा वाली प्रार्थना की है, जो सब्र, नरमी, प्यार और अच्छे कामों में दिखे। अपने मालिक की आज्ञाओं को मानना और उनके उदाहरण पर चलना, उनके प्रति हमारा असली कर्ज़ है और उन्होंने जो कुछ भी किया है, उसके लिए हमारे शुक्रगुज़ार होने का यही एकमात्र सही सबूत है। बाहरी पूजा अपने आप में वफ़ादार और दिल से शुक्रगुज़ारी दिखाने के लिए काफ़ी नहीं है, क्योंकि उन्होंने कहा है: "अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानो।"

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

हमेशा अच्छा बने रहने की आदतन कोशिश ही लगातार प्रार्थना है। इसके मकसद उनसे मिलने वाले आशीर्वाद में साफ़ दिखते हैं, — ऐसे आशीर्वाद जो, भले ही सुनाई देने वाले शब्दों में न माने जाएं, प्यार के हिस्सेदार होने के हमारे काबिल होने का सबूत देते हैं।

सिर्फ़ यह माँगने से कि हम भगवान से प्यार करें, हम उनसे कभी प्यार नहीं करेंगे; बल्कि बेहतर और पवित्र बनने की चाहत, जो रोज़ाना चौकसी और भगवान के गुणों को और ज़्यादा अपनाने की कोशिश में ज़ाहिर होती है, हमें तब तक नया बनाएगी और बनाएगी, जब तक हम उनकी तरह जाग नहीं जाते।

**7. 242: 15 (आत्म-प्रेम)-20**

खुद से प्यार करना एक ठोस शरीर से ज़्यादा धुंधला होता है। एक सब्र रखने वाले भगवान की बात मानते हुए, आइए हम प्यार के यूनिवर्सल सॉल्वेंट से गलतियों की जड़ — अपनी मर्ज़ी, खुद को सही ठहराना, और खुद से प्यार — को घोलने की कोशिश करें, जो स्पिरिचुअलिटी के खिलाफ़ लड़ता है और पाप और मौत का नियम है।

**8. 9: 11-16**

अगर स्वार्थ की जगह दया ने ले ली है, तो हम अपने पड़ोसी का बिना स्वार्थ के ख्याल रखेंगे, और जो हमें बुरा-भला कहते हैं, उन्हें आशीर्वाद देंगे; लेकिन हम यह बड़ा फ़र्ज़ सिर्फ़ यह माँगकर कभी पूरा नहीं कर पाएँगे कि यह किया जाए। अपनी उम्मीद और विश्वास का फल पाने से पहले हमें एक क्रॉस उठाना होगा।

**9. 560: 11-17**

इंसानी नज़रिए से सबसे बड़ा चमत्कार भगवान का प्यार है, और इंसान के अंदर स्वर्ग के राज का सही अंदाज़ा लगाना ही ज़िंदगी की सबसे बड़ी ज़रूरत है। यह मकसद तब तक पूरा नहीं होता जब तक हम अपने पड़ोसी से नफ़रत करते हैं या भगवान ने जिसे अपनी बात कहने के लिए चुना है, उसके बारे में गलत राय रखते हैं।

**10. 405: 5-11**

क्रिश्चियन साइंस इंसान को अपनी आदतों पर काबू पाने की आज्ञा देता है — नफ़रत को दया से काबू में रखना, वासना को पवित्रता से जीतना, बदला लेने को दान से जीतना, और धोखे को ईमानदारी से जीतना। इन गलतियों को शुरू में ही खत्म कर दें, अगर आप सेहत, खुशी और सफलता के खिलाफ़ साज़िश करने वालों की फौज नहीं पालना चाहते।

**11. 30: 26-30**

अगर हमने दुनियावी समझ की गलतियों पर इतनी जीत हासिल कर ली है कि आत्मा को कंट्रोल करने दिया है, तो हम पाप से नफ़रत करेंगे और हर मुखौटे में छिपे उसके पापों को बुरा-भला कहेंगे। सिर्फ़ इसी तरह हम अपने दुश्मनों को आशीर्वाद दे सकते हैं, भले ही वे हमारी बातों का ऐसा मतलब न निकालें।

**12. 454: 17-23**

भगवान और इंसान के लिए प्यार ही इलाज और सिखाने, दोनों में असली प्रेरणा है। प्यार प्रेरणा देता है, रोशनी देता है, तय करता है, और रास्ता दिखाता है। सही इरादे सोच को दिशा देते हैं, और बोलने और काम करने को ताकत और आज़ादी देते हैं। प्यार सच की वेदी पर पुजारी है। भगवान के प्यार के इंसानी मन के पानी पर बहने और एक सही सोच बनाने का सब्र से इंतज़ार करें।

## दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

### दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

### उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

### कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।